ग्लोबल पीस सम्मिट में राजयोगी ब्र.कु. सूर्य को नेलसन मंडेला लीडरशीप अवॉर्ड - 2023

लंदन-यूके। ब्रह्माकुमारी संगठन के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउण्ट आबू के वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक ब्र.कु. सूर्य तोमर को लन्दन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में एनआरआई वेल्फेयर सोसायटी ऑफ इंडिया की ओर से ग्लोबल पीस सम्मिट में 'नेलसन मंडेला लीडरशिप अवॉर्ड 2023' दिया गया। राजयोगी ब्र.कु. सूर्य ने लन्दन में हुए ग्लोबल पीस सम्मिट में विश्व के विभिन्न देशों से आई जानी-मानी हस्तियों को भारतीय पुरातन संस्कृति के अनुरुप जीवनशैली बनाए जाने पर बल दिया। ग्लोबल पीस सम्मिट कार्यक्रम में एनआरआई वेल्फेयर सोसायटी ऑफ इंडिया के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष गौहर नबाब, प्रेज़ीडेंट पद्मश्री डॉ. विजय कुमार शाह, अफ्रीका कांगो से आए राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डॉ. जस्टिन बिसिम वामुडेके रेजा, एनआरआई कल्याण सोसायटी के सांस्कृति राजदूत दीपक सिंह आदि ने भारतीय संस्कृति की सराहना करते हुए ब्रह्माकुमारी संगठन के सहज राजयोग को जीवन में शामिल करने पर बल दिया। लन्दन सेवाकेन्द्र की वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. जेमिनी, राजयोग प्रशिक्षक ब्र.कु. रूपेश, प्रशिक्षिका ब्र.कु. गीता, दक्षिण अफ्रीका, यूएसए, कनाडा, मॉरिशियस, नेपाल, मलेशिया, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, नाईजीरिया, न्यूज़ीलैंड, ईरान, चीन, डेनमार्क, ट्रिनीडाड, म्यांमार, बहरीन, फिज़ी, केन्या आदि देशों के सैकड़ों की तादाद में सहभागियों ने भाग लिया।

राजधानी जयपुर से अभियान का शुभारम्भ

आध्यात्मिक सशक्तिकरण से स्वर्णिम भारत का उदय

जयपुर-वैशाली नगर(राज.)। प्रभु निधि सभागार में आध्यात्मिक सशक्तिकरण से स्वर्णिम भारत का उदय(आरआईएसई) राष्ट्रीय अभियान के शुभारम्भ के अवसर पर सांसद राज्यवर्धन सिंह राठोर ने कहा कि आत्मविश्वास सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है तथा खुद ही खुद के मित्र हैं। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था द्वारा मूल्यनिष्ठ शिक्षा के क्षेत्र में चलाये जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान की सराहना की। आरयूएचएस के वाइस चांसलर डॉ. सुधीर भंडारी ने कहा कि मेडिटेशन से मन में खुशी देने वाले सकारात्मक हार्मोन सेरोटोनिन का निर्माण होता है। खुश रहने के लिए मेडिटेशन ही कुंजी है। राजस्थान यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर अल्पना कटेजा ने कहा कि आज के दौर में शिक्षा का अर्थ- ज्ञान और सूचना को अर्जित करना है परन्तु वास्तव में शिक्षा वही अर्थपूर्ण है जिसकी नींव में गुण एवं संस्कार हो और आध्यात्मिकता हो। लन्दन से पधारीं राजयोगिनी ब्र.कु. गोपी दीदी ने राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास करवाते हुए कहा कि मनुष्य के चरित्र को सशक्त बनाना राष्ट्र को सशक्त बनाने की कुंजी है। उन्होंने आगे कहा कि पहले 'आई क्यू' की बात होती थी उसके बाद 'ई क्यू' की बात होने लगी लेकिन अब युवाओं में 'एस क्यू' अर्थात् आध्यात्मिक बुद्धिमता की ज़रूरत है। शिक्षा पद्धति में आध्यात्मिक बुद्धिमता को शामिल करना होगा तभी युवा सही दिशा में आगे बढ़ सकता है। ब्रह्माकुमारीज़ जयपुर उपक्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी सुषमा दीदी ने कहा कि समय परिवर्तनशील है एवं आने वाला समय बड़ा चुनौतिपूर्ण रहने वाला है, ऐसे में ब्रह्माकुमारीज़ संस्था समाज को आध्यात्मिक सेवाएं देने के लिए सदैव तत्पर है। वैशाली नगर सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी चन्द्रकला बहन ने आरआईएसई के बारे में बताते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आरआईएसई(आध्यात्मिक सशक्तिकरण से स्वर्णिम भारत का उदय) अभियान चलाया जा रहा है, जिसका राष्ट्रीय शुभारम्भ भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती दौपदी मुर्मू ने ब्रह्माकुमारीज़ के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन,आबू रोड में पधार कर किया। इस अभियान के अंतर्गत शिक्षा प्रभाग द्वारा 'राष्ट्रीय शिक्षा अभियान' के रूप में पूरे भारत वर्ष के स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों और शिक्षकों को जीवन मूल्यों से सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रकृति के प्रति स्नेह के भाव बना देते हैं प्रकृति को शक्तिशाली

ओआरसी-गुरुग्राम। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रकृति के प्रति स्नेह का भाव प्रकृति में शक्ति पैदा करता है, उक्त विचार ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने व्यक्त किए। ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय, माउण्ट आबू से प्रभाग के संयोजक ब्र.कु. सुमंत ने कहा कि आध्यात्मिकता में अन्न का विशेष महत्त्व है। सात्विक अन्न से ही मन में सात्विक विचारों की उत्पत्ति होती है। उन्होंने कहा कि कृषि में योग की भूमिका को जानना ज़रूरी है। ईश्वरीय स्मृति में रहकर कृषि कार्य करने से फसल भी बहुत उत्तम होती है। जिला परिषद, गुरुग्राम की अध्यक्षा दीपाली चौधरी ने कहा कि सबसे बड़ा सुख निरोगी काया है। लेकिन निरोगी काया का आधार शक्तिशाली व सात्विक अन्न है। उन्होंने कहा कि ओआरसी के आध्यात्मिक वातावरण ने उन्हें प्रभावित किया। दिल्ली,किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव, शिव कुमार शर्मा ने कहा कि जैविक खेती ही वास्तव में स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का माध्यम है। उन्होंने जीवन में सात्विक अन्न को अपनाने का भी दृढ़ संकल्प लिया। संस्थान के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग के दिल्ली क्षेत्र संयोजक ब्र.कु. जयप्रकाश ने अन्न के महत्त्व के बारे में बताते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ में भोजन की शुद्धता पर अधिक बल दिया जाता है। ईश्वरीय स्मृति में किया गया भोजन मन के श्रेष्ठ विचारों का आधार है। ध्यान रहे कि जीवन भोजन के लिए नहीं बल्कि जीने के लिए भोजन करना है। प्रभाग के दिल्ली क्षेत्र की संयोजिका राजयोगिनी ब्र.कु. राज दीदी ने कहा कि किसान अन्नदाता है। किसानों का खुशहाल जीवन ही देश में खुशहाली ला सकता है। प्रभाग के सक्रिय सदस्य ब्र.कु. सत्यवीर ने संस्था का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग केवल देश में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में अपनी सेवाएं दे रहा है। प्रभाग का मूल उद्देश्य शाश्वत यौगिक खेती को बढ़ावा देना है। पलवल से प्रभाग के सक्रिय सदस्य ब्र.कु. राजेन्द्र ने कहा कि भोजन पकाने और खाने के साथ-साथ महत्त्व अन्न के पैदावार के तरीके का भी है। आज ज़रूरत है जैविक खेती की। प्रकृति हमारी संवेदनाओं को ग्रहण करती है। इसलिए योग और जैविक आधार से हम अन्न को शुद्ध बना सकते हैं। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था गांव-गांव में जाकर किसानों को जैविक खेती के बारे में जानकारी दे रही है। दिल्ली,अशोक विहार से ब्र.कु. सुनीता ने श्रेष्ठ विचारों के द्वारा कृषि में योग के प्रयोग का अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि योग से प्रकृति में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जिससे कि प्रकृति भी हमारी सहयोगी बनती है। कृषि विज्ञान केंद्र, गुरुग्राम की वैज्ञानिक अनामिका शर्मा एवं गाजियाबाद से आए कृषि के जानकार रविन्द्र शर्मा ने भी कार्यक्रम के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त की। राजयोगिनी ब्र.कु. प्रमोद बहन ने सबका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन प्रभाग की सक्रिय सदस्य ब्र.कु. प्रमिला ने किया।

विश्व खाद्य दिवस पर विशेष कार्यक्रम...

- कोसली से मुस्कान एवं साथियों ने भोजन की गुणवत्ता की जानकारी देने वाले मनमोहक नाटक का सुंदर मंचन किया
- दिल्ली से मानसी और संजय ने हरियाणवी नृत्य के द्वारा सबका मन मोहा
- कार्यक्रम में 1000 से भी अधिक लोगों ने शिरकत की

सकारात्मकता ही समाधान परख मीडिया का आधार है - सुशांत

ग्वालियर-म.प्र.। सकारात्मक पत्रकारिता न सिर्फ समाज में परिवर्तन लाती है, बल्कि हमारे जीवन में भी सुखद अनुभूति का एहसास कराती है। इसलिए पत्रकारों को अपने कर्त्तव्य का पालन करते हुए अपनी पत्रकारिता की दिशा सकारात्मक रखनी होगी, तभी वह पत्रकारिता का धर्म निभा पाएंगे। यह विचार ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया विंग द्वारा आयोजित कार्यशाला में 'सकारात्मक परिवर्तन के लिए जागरुक मीडिया' विषय पर हैदराबाद से पधारीं संस्था की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. सरला दीदी ने व्यक्त किए। माउण्ट आबू से आए ब्र.कु. शांतनु ने कहा कि आज मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता समय की मांग है। पत्रिका के स्थानीय संपादक नितिन त्रिपाठी ने कहा कि पत्रकार जब निःस्वार्थ भाव से काम करता है तो सकारात्मकता आती है। मीडिया के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. सुशांत ने कहा कि पत्रकारिता का धर्म और मर्म सकारात्मक होना चाहिए। पत्रकार प्रोफेशन के साथ मिशन और विज़न को लेकर काम करें। स्वदेश के समूह संपादक अतुल तारे ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान पत्रकारों की बैटरी चार्ज करने का काम कर रही है, जिससे उनके जीवन में तनाव कम होता है। अहमदाबाद से आईं ब्र.कु. सारिका ने कहा कि मन को यदि जीत लें तो समझो जगत को जीत लिया। आईटीएम के मीडिया विभाग के प्रमुख डॉ. मनीष जैसल ने कहा कि सोशल मीडिया पर जो फेक कंटेन्ट आते हैं, उनसे सबको बचना चाहिए और उपयोग करने से पहले उनकी सत्यता का पता लगाना चाहिए। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. आदर्श बहन ने सभी पत्रकारों को जीवन में थोडा समय स्वयं के लिए निकालने और राजयोग ध्यान का अभ्यास करने पर ज़ोर दिया। कार्यक्रम में ब्र.कु. ज्योति ने मेडिटेशन कराया तथा ब्र.कु. वैशाली भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गुरूचरण सिंह एवं आभार प्रदर्शन प्रहलाद भाई ने किया। कार्यक्रम के अंत में प्रेस क्लब ग्वालियर,म.प्र. पत्रकार संघ एवं एम.पी. वर्किंग जर्नलिस्ट के पदाधिकारियों ने ब्रह्माकुमारी संस्था के राष्ट्रीय मीडिया के कोऑर्डिनेटर्स को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रिंट, इलेक्ट्रोनिक मीडिया के राजेश शर्मा, सुरेश शर्मा, सुरेन्द्र माथुर, विनय अग्रवाल, सुरेश सम्राट, नाशिर गौरी, राज दुवे, बृजमोहन, अजय मिश्रा, दिनेश राव, श्याम श्रीवास्तव, विनोद शर्मा, पत्रिका के यूनिट हेड मुकेश अग्रवाल सहित अनेकानेक अन्य वरिष्ठ पत्रकार एवं आई टी एम विश्व विद्यालय के जर्नलिज़्म डिपार्टमेंट की फैकल्टी एवं छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

सकारात्मक पत्रकारिता को बढ़ावा देने हेतु पत्रकारों के लिए संगोष्ठी का आयोजन

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 3rd Nov, 2023
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org